॥ अमर ऊंणेरे सविरस ऊसेवे वनराय पिण घणसूंऊणे वपफो ऊसूकाल खड रख्य १ श्रें ॥
आवलकेरे फूलके भमरा आसमंबंध ऊंघणे घणरसके तोनवि आवेगं ध१ मरख कोमुख बांध
इ निकसितवृवनमुयेग नाकीनेष धमोनहे विषनहीलागात अंग१ रोमाणसचेण गए आकंव
मन ऊपरिवार कहैसायरसफलके सूपूनवहासंसा१ चाल्चमारचुहरी अतिनाचन तेनीवहतो
पूरणऊषता ऊंचाहमंहोतावीच१ सबघटसांईपूरीया सूनीसेऊनकोय वलिहारीवाघटकी
ऊघटपरघटसोय१ अधरजोसविडमलगन श्रीआसुगताकरलीन मेनसोनगुंआभयो सोफिर
हसमुकनाकीन१

॥ॐनमः श्रीहिमानंदायनमः॥अथ बत्तीसतसयीलिख्यते॥श्रीगुरुदेवप्रसादतें होतमनोरथसिद्ध घन
तैंप्रीतसवैसैरस फलफलन कीवृद्ध २ कीये दृष्टप्रस्तावके दोहासकगामबनाय ॥ लक्षअर्थदृष्टंतक
रि दृढकरिदीयेबतायर नावसरलममतसबै मलेजगेदरशाय जैसीअवसरकीकहि बानीसक
लतकहायर नीकीहीफीकीलगै विनअवसरकीबात जैसेवरनतयुद्धमें रसीसिंगारनकहात॥
फीकीहीनीकीलगै कहीयेसमयविचारम बकोंमनरितकरै औविवाहमेंगार५रागी अगुनना
गणेंयरुजगतकीचाल देखोसबहीस्यांमकौं कहतबानसबलाजद्द जोआकौंपारेजगें सोति
रिकरतबखान जैसेंविषकोंविषनखी आनतअमृतसमानत जोआकोंगुनआनहैं सोतिरैंआ
दरदेत कोकिलअंबहिलेतहै कागनिवोरीलेतहै ॥ अनउघमकूंएक कोंकोंहरिकरतनिवारहुं
॥ऊगारनखआनिकें निकमतवा हीरहय रतनबलनकीसकतिहै तोतोंनघमबांन ॥ऊगा
रुंमृगपतिवदन मृगनपरतिहै ॥ान ४७ कहाहोयबघमकीये जैपरभुहीप्रतिकूल जैसेंमि
लैखेतकों करतसजलनिरमूल२२ आहीतैंकछुपाईयें करीयें ताकीआस सालीसखरपैंगये के
सैंबुकतपियास२२ जोआहीकोफेरहै सोतिहिंपुरैआस स्वातिबूंदविनमघनमें चात्रकमरतपि
यास १७ गुनहीतकमनाईयें जोजीवनसुखसोंन आगाजरावतनगरतकु आगानमांनतकौंन २४
रसअनरससमकैनकछु पंडेपेमकीगाथ विधुमंत्रनजंनहीं सापहिकारतहाथ २५ कैसेंनिवहै
निबलजन करसबलश्नसोंगैर जैसेंवसिदरियावमें करतमगरसोंवैर २६ कीजैसमप्रितकी
जीयें विनविचारविवहार आयरहतजंनतनहीं सिरकोंपायनभार २७ रे कैअवसरकौंबजो जां
कूंकछधरेकाम खेतीकछकैवरसवो घनको कौनेकांम २८ अपनीपौरुषविचारिकै करतबकरियें
दोहि तेतेंपायपसारीयें जैतीजेंबीसोरि २९ पिछनबलोनरकुजनसें करतविसासनबुद्ध ३०

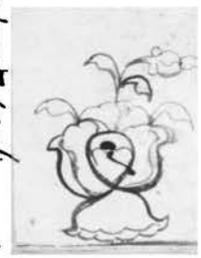

जैसेंराधोदधकौंपियतगासदेफंकु ३१ आनदूखवारकेरहें ओरेकुजलपांन पंडैजलनरिसरसघ
टंकरिमिलतनग्रांन ३२ वनतीदिखवनाइयें परतनवीजैखोट जैसोवाजैवायरो तैसोजैजैओट ३३
विद्याधनउद्यमविना कहोसुपावैकोंन विनाकुआयेनाभिलें सुंपंखेकौपोंन ३४ नेवनरकीप्रीतकी
रीनीरीतबताय जैसेंमीनरतालजल घटतघटतयरजाय ३५ अनमिलतसोईकरै तासोंकोन
बड़प्पन जैसें योगीयोगमें करतभोगकीआस ३६ बुरेलगातसिखकेनघन हीयेविचारकुंआप कु
खेनेषद्रविनपीयें मीठतनतनकोतापर६ बंधेबंधनकोदुखदरत पैनतोचमरप्रापघनमेंटतपैमा
रुस्थिरगिरवरशीरबमतापर८ गुरुतालघुतापुरुषकी आश्रयबसितैंहोय करीविधमें बुद्धिसो दरप
नमेंजक्षसोय ३९ रहैसमीपकहेनकै होतबकहेहितमेलि मबहीजानतबतहै रुकुबराबर वेलि
४० उपगारीजपगारुलगासनसोंकरतप्रकास जोंकवुमकरैतकमिलै मजयअकरतरुबास४१
होयबकैरनहूंक्रिये कविनमलिनमुखरंग मरदनबंधनसबसहत कुचपूनगुननप्रसंग४२ कु
कुआकूंनाहिनमिटै जोविधिलिखेमेलिजार कंकसमयकरिकंकनकुच ननैतिहांनखमार४३
विधकरैहरैकवन कोकरिसकैसहाय यदवबलयअजगतनलिन तिहांहिमरेतअराय४४
येमकरतबरजानकों अवबरअंतबेकाज रोमरोमविषसमगयो कैसेंबनतबेकाज ४५फेरिनकै
हूकपरयों जोकीजैव्यापार जैसेहांकीकाउकी बटतएकहीवार४६ करीयें सुखकोंहासदुख यह क
हिकोंनसमांन वासोंनेकोंआरीयें आसेंहटैकांन४६ नैनांदेतबतायसबहि यकोदेतअंहत जों
नाईकीआरसी मलीखुरीकहिदेत ४७ अतिपरचयतेहोततै अरुनिअनादरनाय दंधनकरिसो
वसीमलय चदनदेतजराय४८ सीताको गुनकहैं जोकिहि वाहैनांहि तपतकजेंकीविषनै
सोविरहनसमिहकहांहि ४९ सुखदायेदेतदुख सोअवदिनकेफेरे समीसीतलसंयोगमें

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

नपतविरहकीवि४७विधिकेविरचेसजनदुरजनसमकेजात दीपहिरास्वेपवनतैं अंचलवहै बुझात४८ आसोंजैसैजायसो तेसोमांनततादि समिहिंस्फधारकहतको क कहतकजेकी आ हि४९ आपबुरेजगदेखबुरो नजेंनलोकियजानि तऊतबहेए मंहसब गहत अंबकी आनि५० सोनसयानेएकमति यहकरवतहैसाच काचहिपत्थनकोकहे पाचहीकहैनकाच५१ नजेबुरे ऊहांएकसें तहोंनवसीये आय औअन्यायपुरकेविषें खलगुजएकहिन्याय५२ नजेबुरेसब एकसें औजोंबोलतनाहिं जानपरतहैका कपिक रितवसंत केमांहि५३ भावभावकीसिद्धमें भावभावमेंनेव औमांनेतौ देवहैन हीतोमीतकोलेव५४ निरफलश्रोतामूढपै वगताबचनवि लास हावभावडपोतीयकेपतिअंधकेपास५५ टकरनांमरंगदेखिसमगुनविनसमझैवाता। गतधातीगोदूधसें सेफूफकेतेंघात५६ विनुगुनकलजानेंविनांमानतकरिमनुहार वगतफि रत वगऊगतकी नेषनगतकोधार५७ हितहूकीकहियेनतहि औनरहोय अबोध डपोंनक टेकोंआरसी होतदिखायें कोध५८ अतिअनीतिनकहीसहन औप्यारोअतिहोय औसोनेकी है बुरी पेटनमारेकोय५९ घूरखकोंपोथीपढ़ कहाजानेगुनगाथ औसेंनिरमलआरसी दृअंधकेहाथ६० मफरवचनतेंजातनिट अनमऊनअग्निमोन तन कमीतलऊजकेनिलै। जैसेंहथऊफोनपथ आसोंविरमाहोतहै कैतादीसोंघात कहाकरैकोफऊतन वारिकाकरि यारबातप६१ मनेसहायकसबलके कोऊनतिबलसहाय पवनजगावतआगिकों दीपहिंदे तबुझायप६२ कबुवसायनसबलसों चलेनिबलसौंऔर चलेनअबलअखारतसं गरतपव नऊकी२६३ समेंसमऊकेकिऊंये कांमवहेंअग्निरंग सिंधवमांगे। औमतें घोरेकोकहाकों मप६४ औआहीकंरचिरहो तिहिताहीसोंकांम जैसेंकिरवाआकको कहाकरेवसिआंमाप६५

जियचाहैसोदेमिलै जियतनलेंहियजागि प्यासो चाहैनीरकौं करैकहालेआगि६६ जियपिय चाहैतनकरो घनचंदनतपचारशेगकबुंषदकबुं कैसेहोतकरार६७ विरहतपतपियबातते तपतचौगुनआगि जलकेसींचेबढतहै औसनेहकीआगि६८ रोगमिटेकेसेंकहैं रिसगपऊतकी बात ईंधनकारैआगिमें कैसेआगिबुझातह्व अतिहवमतिकरिहैखबहै बातनकरिहैकोइऔं औनरकेकांबरीत्यौंत्यौंनारीहोयदृष्ट जानचकुंजैमोनलो आसोंएरैआस जैसेनाटैभसकनया सेमिटतनप्यास७०श्रीपंप्र विषछहतैंसरसीजगो रीसमिरसकीनाष जैसेंपितऊरीनकों जागत्कु रबीदाषदृह, औकिहिभावेसोनलो गुनकौंकहूनविचार तऊगऊमुगतानलिनी पहिरतगुंजाहा रदृश७१ हरिरसपरिहरिविषयरस संग्रहकरत अयांन जैसेंकोकंकतिहे संकिस्फधाविषपांनदृष्ट कुजमारगगांमैनको होऊरुधिमाहांनि गजइंकमारतइसो चलतमहावतआनि६७ आसोचलैआ जीवकाकरीयेसोअभास वेरपापालैंगजितो कैसेंघूरैआस७३ दुष्टनसंगहैदुष्टता कैसेंछूंसिरवदेत श्रीयेछूंसोवेरकें काऊरहोयनसेत७४ कऊंश्रीगुनसोहोतगुन कऊंगुन श्रीगुनहीत ऊचकऊरतो हेनलेंकोमलबुरेनहोत७५ अरूऊनकहैसोहोतकऊ मऊनवचनअनूप अवनपिताहियदसर थहि आपनयोवरहूप७६ एकनलेंसबकोनलो देखोविसरविवेक जैसेंसतरचंदके मुधरेंजीव अनेक७७ एकबुरेंसबकोबुरो होतसबलके कोप श्रीगुनअरऊनके नयो सबरूपि यनकोलोप७८ नदिनवैयाचेंनलो ऊदपिहीत अपमांन गिरतदंतगिरवाहतै गऊकेतो नवरांन७९ हुंगुन करता तरही देतनेरकोंमार औपकूचैनहिंकूपकों आरत विरहनमार८० मांनहीतहैगुननितें गुनविना मानहोय ककसारोराखेंसबें कागनरायवेकोय८१ आकंबरतऊकीऊंये गुनसेंग्रहचित चाय खीरहितनविकेगाक आंनीघंटबनाय८२ जैसेंगुनदीमेंदई तैसेंसंपनिबंध एहेतुंकरंपाइये

ओनोनेरस्कांधपण अन्नीजारवीदिकवातके तिनमेंहोयविरोध काऊराऊकेराऊअस्तजरतनिरतकरि
कोधए२ओजाकोचाहैअनजो सोताहीकीआरनारिबुकावैआगिकौं सोषैंताहिसमीरए२अहितकीयेकूं
हतकरै सऊनपरमसधीर सोषैंकूंसीतलकरै जैसेंनीरसमीरए२ कैमहायहितकरै तऊइष्टदुख
देत जैसेंपावकपवनकों मिलेअरयैंलेत ए४ अपनीअपनीठौरपर सो नाजेहतविशेष चरनमहा
चरहीनजी नयनांअंऊनरेष ए५ ओचाहोसोदूकरो मेरोकछुनकहाय ऊंत्रीकेकरऊंत्रहें ओआवै
सुवऊायए६ ओकोजैसोचितहितहै कहिदूसोईविचारगदिरकैसेंलायहै गऊमुगातागऊमारए७क
देनजैसेंजहतहै तिजेविरंगाऊरंग कापूंगाऊनौमिलै सीतलाजलमिलसंगाए८ नहिदूजाऊदेखो।
सुंनों ओसोंमिटतसुभाव मक्षपुटकोटिकेतनऊ विषनतऊतविषभाव ए९ ओकोओसोंमनज
ग्पैसोतिहिआवतहाय खाजनसमविषसुंफयुत सिवतकुमिलाकहाय१० रोयकबुसमझैंक
बुओकीमतिविपरीत कनकऊनखजैसेंजेषे स्यामस्पेतकौ पीत ए११ येमनिवाहनकठिनहैं समझै
कीओयोकोय नागाऊनखतहै ऊगामयें जरहैमुसकिलहोय ए१२ कोनेविनदेषैऊनैं कैसेंकहैविचा
रऊपनेकऊानैकरा सागरकोविसतार ए३ देखसेवफलदेतहै ओकौजैसोआय जैसेंसुखकरआरसी
देखैंसोईदिखाय ए४ ऊलनलजैसोहोयसो तैसीकरीहैबात वनिकपुत्रऊानैकरा गटलेवेंकीघात
ए५ ओकोंजरनआईयै कैसेंमिलिहैसोय जैसेंपछिमदिसायें पूरवकाऊनसोय ए६ जैसोबंधनपेम
कोतैसोबंधनठौर कातनजेहैं कमलकौं छेदनिकसैभौर ए७ जेनरारतेहेतहैं रीझतऊिहिति हि
चाल गालबऊायेऊंकरे गोरीकंतनिहाल ए८ अपनीअपनीगरऊमब बोलतकरतनिहोरविनाा
रऊबोलतनहीं गिरवरकूंकेमोर ए९ ए जैसबहीकौहेतहै तातकहीयैसोय ऊलधरवर मतसमवि
षम थलनविचारत कोय ए१० तिनसोंविमुखवनकूंओये ऊैनपगारसमेत मोरताजऊंज्यांनकरि।

जैसेंपीवनदेत १ ओसमझैंद्रावातकौं सोतिहकरैविचार रोगनऊानतऊोतिषी वैद्यरनकोचा
२नवलनेहआनंदमगडूबैनमुखचिंतिओर तवहीऊानोऊातहै जौंकूगंधकेचोर २नकू
तमिलेमनमिलतहै मनमिलतैनमिलाइधरदीतें ऊमतहै कांऊतै।फ२ ऊाइधबातकहनकी
शक्तिमें है ऊंतरऊधिकाइ एकवचनतैरिसचढै एकवचनतैऊाइ५ए कवसतुनहीतहै निनम्रकु
तिकैनाय नम्रकरिपिछाएकको करतएककोंवाय६ स्तरबमेंहोयसरिक्सो डूखसरीकमीहो
य ऊाकेमीतेषायपै कबुकरवायहैसोय ७ स्वारथकेसबहीसगो विनस्वारथकोनांहि सेवैपं।
खीसरसतकू निरसनयेंनछिऊांहि ८ ओलाइकऊिहिवातकौं तासोतेंसीहोइ सऊानसोनबु
झैकरै दुरऊनचलीनहोइ ए९ सुखबीतेदुखहोतहै ऊखबीतेसुखहोत दिवसगयेंनेंनिसि।
ऊदित निसागतदिवसऊा होत १० ओनाषैसोईसही बनेपुरुषकीबांनि है अनंगताकोंकहैं महा
रूपकीखांनि ११ दोषनरीनम्रकासियै यद्यपिऊथारथबात कहैं अंधकोंअंधतो मानत बुरोस
नरात १२ परघरकबकुनऊाईयैं गयेघटतहैओति शविमंऊलमेंऊातसमि हीनकऊाऊबि।
होत १३ नरहितैकोमऊनप्रकृति सऊानपरमदयाऊान कोंनसिखावतहैकहो राऊहंसकोंवाऊाऊ
संऊानऊंगीकृतकीयो ताकोनेतनिवाहि ई कऊंकीकटीऊासमि तऊसिवतऊतननाहि १५ऊं
नर्पंकितविख्यातऊकूं मूरखधनमवरेष ऊलऊासीऊानपरिहरै ऊलटा रूपनदेष १६ एकद
शानिवहैनहीं ऊनपिढतावकूं कोय रवै रूकीइकदिवसमेंतिनम्रवस्वहोय १७ नरसंपतिहि
नेपा यकै क्रतिमतिकरसोकोय डरयोधनऊतिप्रापतें भयेनिधनऊलखोय १८ होयरूधमि
टिकलुखता सतसंगतिकोंपाय जैसेंपारसकोंपरसि लोहकनकहोंऊाय १९ ब्रह्मबताएवनि
२१ तोफिरओरबनेंन कोंनकहतनहिंबैंनसो ओनसुनतनहिंबैंन २० ऊासिपरसो ऊैसोहै।

सन ताविन रहैतनकोई करासकरापीनातजै ऊदपिविकलगतिहोई२२ जैचेतनतेंकोतजै जाको
जासौमोह चंचुककेपाछेलपी फिरतम चेतनजो हरू घटतिन वतिसंपतिसुमति गतिअरहरा
कीजोयरीतीघ्र टिकाभरतिहै नरीसुरीतीहोयरू आपनितैसीहोतहै जिहिजैसीजाय भा
ऊनमितसरभरससमें ऊलनहिनरिजैजायरू उत्तमऊनकीहोइ करि निचनहोतरसाल कउ
वा कैसैं चलैसकैं राजहंसकीचाल२५ उत्तमऊनकेसंगते सरऊंहीस्वभास जैसेंदपपहि
रैंऊतर लेतसभाऊन वास२६ याऊगकीविपरीतगति समझफेदेसस्वभाव कहैऊना ईनकुछ
कौं दरकोसंकरनाव२७ भलेलगे कोनकहे सवकोहितके बैन पियआगमकेकाकवच विरह
निकोकरवदैनरू ओआकोंहितकीकहै सोताकोंअभिरांम पियआगमभाखीभलो वायसपि
कहिकांम२९ कोकहैहितकीकहै कैताहीसोहेत सबैनुआवतकागकों पैविरहनिवारहे
नरू० कोचाहैअपनोतकु आसंगालहीयेपीर जैसैं योगसरीरहैं उपजतदहतसरीर३१ एक वि
रानोहीभलो जिहिकरवहोतसरीर जैसैंबनकी नृषधीदहतरोमकीपीर३२ जोपावैअतिउच्च१
दताकोपतननिहोत ज्यौंतपितपिमध्यांनजौं अस्तहोतहैभांन३३ अनुचितअतिबलअपनो करैं
अनादरहोय संग्रहकीयो नरूपकुकेन कुकमगयोपतिरोय३४ कलुकबनावहैरवैंतहीं उत्तम
ऊननरहांहि जैसेंपावसतजि अनत राजहंसऊडांहि३५ जिहिवाहैसोईलहै यौंस्वभावहो
यसरीर ज्यौंप्यासेऊियकोमिलै निरमलसीतलनीर३६ मनभावनकेमिलनवित योऊियहोतउ
दास ज्यौंचकोरकोदिनदिसा चकचावंदरूकास३७ जिहिसंगदोषनलगै तजीयैताकोसाघा
सहिरामानतहैजगत इखकलाजीहाए३८ जाकेसंगदूषनहरै कवियैतिहिपैंहवि जैसैंसम
केदूधसबकरासरीरीपांन ३९ जिहिदेखैंलेबनलगै तासोदृष्टिनजोर ज्यौंकोकैंचितवैनहीं चौ ४

यचैरकीनरू४० सुरषगुनसमझैनही तौनगुनीमेंचूक कहामयौदिनकोविगो देखोज्यौंनउचूकध१
खलऊननसोकहीयैनहीं गुरुकवल्लकरमेल योंफेलैजगमाहिंयो ऊनपरहंसकतेलभर२ एक
हिगुनऐसोभलो जिहिनगुनछिपजात मरदकेज्यौं रंगवरन गरजतरकविऊपातध३ मेघऊहां
हीमानहूं ऊहोनपंडितहोय दीपकको रविकेउदै वातनबुझैकोयध४ विनस्वारथकैसें सहै
कोकककहनकुवैन जानहियैबुधकारीयै ओहोयकुमतीमेन ध५ सऊननऊहिनमऊनता की
नैकूंअपकार ज्यौंचंदनबेरैतकु फरनितकरैकुठार१ध६ डुष्टनसंगैडुष्टता पोषैंगरवैनंद स
रपहिंकेतोहितकरो चपैचलावैचोट ध७ धनसंचोकिहिकांमको *रवाकुरवरचरुरीतिं
छंमोगंधीलोकूपजल कटैचदैयहरीति ध८ करैबुराईसुरवचरै कैसेपावैकोय रोपैंविरवाआक
को ज्यांबकहातैंहोय ध९ होयबुराईतेंनुरो यहकीनोनिरधार स्वाकरवलेंगो ईरको ताकोंदूहत
यार५० हीयैंसोगुनौरेतसो पावैयहसचबात नीमरेतातिहिकरसिरो मारेतातिहिदांत५१एक
जेषकेआसरे आतिवरनछिपजात ज्यौंराधाकेखोजमें सबहीखोजेऊसमात५२ आकोजिहिस्वारथ
सजै सोईताहिरूहाति चोरतप्यारीचांदनी जैसीकारीरात५३ जैंसाहीनवत व्यता तैसीबुधि
प्रकास सीताहारिवैतैंभयो रावनकुलकोनास५४ निरवैजातीकोंकरैं प्रतीकारजोहोय तोत
जसेहरचंदसे विपतिनरतैंकोय५५ कहुतसयानपचलिसकै सोनहरकेपास जाषमयुधिष्टिर
सेतहां ज्यौंकैकुवंसविनास५६ अति हीसरलनहूंजीये देखोज्यौंवनराय सीधेसीधेछेदीयें वां
केतरुवचिजाय५७ बक्रतनिबलमिलिबलकरैं करैंजुचाहैसोय तिनगनकीरमरी करीनें
बंधनहोय५८ डरऊननकेसंसरगतें सऊननसहितकलेस ज्यौंदसमुखअपराधतें बंधनसहौजले
स५९ सऊनऊसंगतिदोषतें सऊनतानत्यजंत ज्यौंभुजंगानसंगतऊ चंदनविषनधरंत६०॥

कष्ट परै रूखा अन्न नैं कनहोत मलोन ज्यौं ज्यौं कंचन ताइयैं त्यौं त्यौं निरमल वान ६१ जे गुनमंते अ
समसौं भरत निरसमन मोहि घनगर्व हैं हरिकूं करै स्यार बोल सकै नि नांहि ६२ खल वंचित नर सु
जनकों नहि विसास करै ६३ मृहकौ जिम प्रतिबिंबतैं मुकता लेसन लेइ ६४ मिथ्या भाषी सा नकूं
कहैं न मानै कोय झूंठ पुकारै पीर वस मि ससमुझै सब कोय ६५ सदा समैं बल बंनयें नाहि पुरुष
बल बोन कों बालय गोधीलेइ ६६ चिर सम एपद वंन ६५ कनकन जो हैं मन कुरै काढै निवरै सोय।
बूंद बूंद जो घट भरै टपकत वीतै जोय ६८ थोरे थोरे गुनतें कुक होत प्रभीधक गमांहि एक ही क
रतें गयकरी करी सहस्र सकरनांहि ६९ ऊंचे बैठे तैं नां लहे गुन बिन बड़पन कोय बैठो देवल सिख
२१२ बाय सा कूंन होय ६० दुखपाये बिन कूंक हीं गुन पावत है कोय संसै वेध बंधन सूं मनि तबगु
न संयुत होय ६१ निकट अबुध सभा कै कहा बुधजन बचन विलास कबकूं भेष न जांनही अमृत
कपल की वास कूं साच मूढ़ नि रनेकरे नीति तिपुन जो हो य राजहंस तिन कों करै खारनीर कों दो
य ७२ विनसत मतयन गुनियके अगुनपुरुष के पास जो अंजन गिरि चंद न कर नेक न होत प्र
काश ७२ एक समीप वासि अरि तकर एक हित कर वसिहर हंस विनासे कमल दल अरु लघु का
सेस ७२ दोषही कौन मदै गहै गुन न गहे खल लोक पिये रुधिर पै ना पिये जोपय ोहर जोका
७४ न जोन लेइ दुष्ट जन मनोक सैं जो कोय विषम धुरो मी वो जवन कहै नमी वो होय ७५ कर अंक
रत क्रम साधके सबमेंसाधु कहाय जैसे सीत हिमंत को वनजन देत जराय ७६ एक अक्षर गाही
समै गुपजे न एक से होय जैसे कांटे बेर के मीठे बांके होय ७७ हरत दे वकूं नि बल क्रम कुरब
ज कुके झंन वाघ सिंघ कों गोफि के देत जगा बल दोन ७८ जिहिंकासों मतलब नहीं ताकी ताहि
न चाहि जौं नि सप्रेही जीव के तिन समो न सुर नाहि ७९ जे पर तें पर य स्वारथ फि अपने होय न ५

कोय पा जे पोषें काग तक पिक कृत कागन होय ८० दो जैसी खल अयां नकों मानें सीख कूंजो
न गर हिं ताजन मारिये जौं कंपै के कांन ८१ जघ मक बकूं न बंधीये पर आसा के मोद गागर के
भेंफोरीये तनयो देख पयोद ८२ कर जधारै होत दें काहे होत अधार समे पाय तरु वर फले के
नकूं सी चो नीर ८३ ओ पहिले को जैं जतन सोपीछे फल होय जाहा जो रखो दे कुवा कैसे नीक
सेतोय ८४ हेत सिद्ध जैसो समै तैसोही अभिलाख को मीचिन तातन जयो कपि जेतदे जा रख ८५
कों कोजैं मैसो जतन जातें काजन होय पर वत पर खोदे कुवा को कर नीक सेतोय ८६ संधी
संपति नर की नर जोग वैराय कन संग्रह बीतीन कों जोंनीत रचुगऊाय ८७ सेयो जो टोही न जो
आसो गर जस राय कोजे कलपयो ध को आसो याससन जाय ८८ मरन तसौं सनमें जत है विनमर
नतन मिजाइ मीधा अंगुरी घीऊ मो क्यों कूंनिकसैना हि ८९ कहिये वातश्रमांनकी आसो फल
रेकाज की कोपो रेजुनतें अधिके खारो नाज ९० कहे रसी जीवत सोंविगरी जेतफधार सरस
जोन की हारमें जोनी बूरसमा रि ९१ जोवा हैसो दकरो बके असंगति अंगा सबके देखत नगन
हर धरत गोरी अरु अंग ९२ बके सहजही बातसौ रीझ करत बगसीस उलटो दजते विधु डपो मां
कध उरैं ९३ बके कहे सोकीजीये करै सोकरीये नांहि हर जोंपचन मेंफिरे सोई विकल करा
हि ९४ काहू कीजोन कीजीये क्रियतिय के वेसास गोरधरी अरु अंगाहर हरिघर घरमें वास ९५
कधरी बेगरे बोहैं विगरी फिर कधरैन दूधफटें कोजी परै सोफिर दुधबनैं न ९६ निकृत कृता
कृत तजन जाही की मनोहार तिलक समें नृप जेतदें दे नकूं दीपपसार ९७ गुनी तमनें सरवि
नां आग्रह करैं न कोय दिवतै हारत ता रियैं सयन समें कर होय ९८ कर्म पि अपनी होय तकर उरझमें क
रतन मीर ओ उरझती अंगुरी निकट दुसरी ताहि न पीर ९९ विद्या पढ़ि जे अभ्यास ते सज्जन कभावसि

जैन स्रोत्र विपुलकानन करै विपुलनकै है नैन २०० कामसमैंपावै सेकट डेनि बजन के संग म
रदनमंनसदतहै जौ अबजा के अंग १ यरकहवतऊ सोकरै तैसोपावै नोय नरन कों आधेक
रै आधाकहीयै सोय २ छोटे नरतेरहतहैं सोभायुतसीरताऊ निरमल राखैं बांदनी ऊ सेपा
येराऊ ३ हितहूंभलो न नीचकों नाहूं भलो अहेत चाहि अपावनतनकरै काटिस्वान दुखदेत।
४ सहऊरसीलेहोयसो करै अहितपरहेत जैसैपीतकीऊीये रुष कुषतऊ रसदेत पक रवि
गरीरूधरैवचन तामेंवनिकविरोष हींगमरीजीराकहित हगमरऊरजाखिले ६ अविकेसे
गऊ रेबजमि जियनपऊतदैत्रास वैसालगैऊ बार के तबबन राय विनास ७ कबऊ कुसंगनकी
ऊाये कायेपरऊनि कीहांन गुंगे कोसमझाय वो गुंगेकीगति अंनट कोऊे काऊकोबुरो करैपरैति
सिद्धांम काटेपरकेनाक वह रंनीनकूटकी नांमए कसाक्रे कोंऊंऊतन प्रकृतनबदलै कोय
सांनैसराश्नेहमैं ऊभिनचि कनीहोय २० ऊर्यपिसहोदरहोयतऊ प्रकृतिनरकीनर विषमा
रैसावैरूआऊपऊैएकहिठोर २१ मरैनकाहूंकुष्टसौ आहिप्रेमकीवांनि सोरनबंमि के तबकी ती
षेकंटकऊंनै २२ बऊतकीयेहूंनीचको नीचसऊभावनऊात नाफिलऊलऊंनमें कछवाचं
चमुनात २३ चउरऊरदकसेजगें आकेंनाहिविवेक ऊैसेंअबुधगवारकै पाचकाचहैंएक २४ ऊं
र न कैहैचउरनर कूरकहैजोकोय मानैकाचगवारतऊं पाचकाचनहिहोय २५ कैसैहूं
बूटतनही ज्यमैंपरीऊंवानि कागनकोयजसोजवे सोविधिसीखवे आनि २६ वैसवनायेफ
रकों कायरऊरनहोय रवालनदायेसिंघकी स्यारसिंघनहीहोय २७ धनवसिनवहिधनग
एनाहिनमनघटिहोय जोंऊनसंगवाटैऊलऊं ऊलघटिघटैनसोय २८ सबतेंलघुहैमोगिबो या
मेफेरनफार बजपैयाचतहीनये कामनरुपमो रार २९ लमेनजोयें जाऊकुल जोपैनीचअधार ३०

तन करतार ६

भदधिरहैमरजादमै बहैनजटिनहिनीर २१ नामनजेहोतनमलो मलोमागऊिहंमाजे जहिनाम
मांगनफिरैबाकोनामरूपजा २२ नसमपरकारि ऊकरें अपनोकाऊिधसार पूरैअनऊिहोन
कौंतापतौंनरबाधार २३ वैवनऊमोरेवप्रभु कलनरकहनरेस कीनोमिनधनेसतऊ पहिरैच
ममहेस २४ सबऊकसैंहोतनकहूं होतसबनमेंफेर कयरेबादीवासतो जोहतवासमसेरा
२५ अपनोसमैंविचारके अरिऊीतीयेअबूऊ दिवसकाकघऊकरिहनें कंगहिनिसऊोघऊक २५।
वेजनबसमैंविचारके अरिहनियेअनयास कियो अकेलोप्रो एकत निसिपंवदजनासरई
कोमपरेहीऊानीये जोनरऊैसोहोय बितताईखोटोरवरो गरहोजषहनकोय २७ ऊैसीसंगतिबैसियें ऊ
ऊतिमिलिहैआय सिरपरसुखमलसेहरो पनहीसुखमलपाय २८ अनघरऊनरसपाऊमें आयवि
गारंतरंग ऊैसेहोऊुजावकी विगरतस्वानप्रसंग २९ अनमिलऊंनिजसमाऊमें होतगयेंगढि
वेन ऊैसेतिनपरदेतदुख निकसेंवि कसेंनेत ३० चउरसभा मेंऊरनर सोजपावतनाहि ऊैसे ब
गऊेमतमहीहंसमंऊलीमांहि ३१ रसिकसभामेंनिरसनर सोतसेतरसहींनि ऊैसेनिस्सतालपरि
मलिनकरतऊलऊांनि ३२ मिल्योदुष्टनांहिनजो उपऊतमिलेअहेत ओंकांटोगऊिदे हमें कट
किखटकिऊखदेत ३३ रोषधरैनिदोषकों ओनरहोतसदोष कमनकारदाताकहैं ऊहिनहियसं
तोष ३४ होतऊसंगतिसहऊप्रभुरुष्ठषऊसंगकेपांन गंधीनरखुहारकी देखोवैदुकांन ३५।
मलेवचनमुखनीचके नाहिनहोतप्रकास हींगलसनमें नांमिलै घनकिस्तूरीकीवास ३६
ऊखरेविगरैऊसंगते सतसंगतकोपाय वासवसीकरहीगकी ओरातेमिटजाय ३७ ऊसंगतिं
नीचहीमीलै करतनीचसोंप्यार षरकोंगंगन्हवादयें तऊतनहंऊत मर ३८ नियोऊसंगतिऊोत
रहि कैनसकैसमझाय जसनवसायैंवसबको कैसेंफलवसाय ३९ कैहैबसैवकैनसों होय

MEMORIAL

नहीं ऐसे काऊ गहै विटपुतीनको गहिनसकै गऊराऊ ४० अजुगति लखिनरनीचकी कीकें कोनरू०
होत दास विरानीरवातखर कोंनदेखअनखात ४१ जाकिसबलअसनिबलकी कबकुन्याहियै सो
ट जैसेटटीयार कौं लगोविलंबै चोट ४२ प्रेमबकोमनकोहरकि रखिनसकै कुलनाऊ कमलना
लकेतंतसों कीबोभैगऊराऊ ४३ बातेषमकीरारवीयै अपनेमनहीमाहि जैसेछायारूपकी बा
हिरनिकसैनाहि ४४ ताकोंत्योंसमुझाइयै जोसमुझैजिहिवांनि वेनकरतमगअंधसों डोबहि
रेकोंपोनभ५ विपतपरैस्फुरवपाइयै ताहिगकरीयेजोंन नैनसहाईबधिरके अंधसहाईश्रोंतधर्
हीनअकेलौनांग्रजो मिलेअलेनहिदोय जैसेपावकपोंनमिलि विपरैहाथनहोय ४७ जैसें थोंत
कसेदयें तैसेपूरोकांमसी हगुकामुगतमिले स्पारुषटीषुरवांम ४८ बांकेसीधेकोमिलनगनवहै
नांहिनिदोंन गुनग्राहीतो कुनजै जैसेबानकबांन ४९ कोंकरीयेप्रापतिअलप जापैंअम०
अति होय कोंनऊगरवरुबोदिकै रहाकाटैकोय५० होयपकुविआकाडिनी तेतीकरत प्रा
कास रविसोंकैसें कर सकैं दीपकतमकोनास५१ ऊहांघउरतादीतहीं मुंटनसौंविवहार व
रषापरस्पहकारविन एकंकको अधिकार५२ हीनतनकारऊमोविना एसुकहैस्फुअयांन ऊहोन
ऊर्कटराहतहां होतनकबूविहोंनय५३ नत्तम को अपमांनअरु ऊहांनीचकोमांन कहनयो
ओहंसकी निंदाकागवरवानय५४ ऊनाऊोगकीबोरविननरबझिपावैनांहि जैसेरतन कघीरमें
कावकनककेमांहि५५ विपतिवनेहीसहीसकै इतरविपतितेंदूरतारेन्यारेरहतहैं गहैरहस
सिक्त२५६ बीरबुटैतेमीतरूं कैअमीतसतथान रविऊलऊवरैकमलकों झारतगारतगातय५७
हीतबकृतधनहोयतऊ गुनऊुतनएव धोन नेहनस्योदीपकतऊ गुनविनओतनहोतय५८ कहां
नयोऔधनपयो आदरगुनतेहोय कोटदोयधारीधनुष गुनविनगहतनकोय५९ जातः गुनी।

जातनतहीं आदंनरऊंतसोय पऊंचै वेगअकासलौं ओगुनसंयुतहोय६० गुनवारोसंपति
लहैलहैनगुनविनकोय काटैनीरणतालतै ओगुनऊतघरहोय६१ कोकरिसकैवर्नना
सौ कबकुंप्रतिज्ञयगार गिरसकरनररावखोनद्रम मुनिअचयोतिहिवार६२ विद्यागुरुकी
लक्षिसों कैकीनेअप्पास श्रीलत्रौनकेविनकहे सीरम्योमानविलास६३ गुरुऊमिरवा
वैग्यानगुन सिष्यसुबुधिओहोय जिरवैखरहरीजीतपर चित्रचिनेरोकोयश्रुपंडितपंडित
सोंमिलै संसय मिटतनवेर मिलेदीपयोंदऊनके होतअंधेरनिवेरघ६४ धमबुधिबलसों
मिलै तबपावतस्फुलसाऊ अंधकंधचढियेंगुरो सबैस्फुधारतकाऊ६५ ज्ञाकोकृदयकठो
रतिहि लगैनकोमलवैन मैनबानओपभरमै क्योहोंकियेप्रिदैनघ६६ सबकोंरसमेंराखिदं
श्रंतलीजीयेनांहि विषनिकस्पो अतिमधनतै रतनाकरऊंमांहिदयं फलविचारकारऊ
करऊं नकरऊंविरथअमेज तिलओंवेरुपीलीयै नांहिननिकसै तेलघ६७ पीछेकारऊकी।
जीयै पहिलेपोहचिविचार कैसेपावतनऊपद बामनलघपसारि६८ ऊष्टनिकट बसीयै
नहीं वस्तिनकीजीयेबात करलीबेरप्रसंगतें छिदैकंटकनपातय६९ तिनकेकारऊस्तोत
है जिनकेबंधे महाद स्फुअपकृपांफवऊई कैरवगए विलाद७० पुंन्पविवेकप्रभावते विं
दवजलनिवास ओलौनेलपदीपमें तोजोओतिप्रकास७१ नरकारिऊकेसिद्धि लो क
रैअनेकप्रकार बूटैरोगसरीरतें कोदुंदैग्य-चार७२ अरिबोटोगिनायेनहीं ऊतेहोतविग
तिनसफहकोंछिनकमें आरततनकऊंगा र७५ बोटेअरिपरचढिफुसफिस्फुपटफ
रास्तनतांत जोंऐससकसिकारपर नाहरकोंसामांन७६ गुनतेसंग्रहसबकरै बुऊबविचा
रैकोय हरिकृंमगासहकोतिनक करततेतऊगसोय७७ बुरोसोयतऊस्फुऊलको तासंबु

रीनहोय ऊरध्वि कवातऊ आगरको करतस्कुगंधित होय१७ ताको अरिकहाकरि सकै ऊपा
कैऊतनउपाय ऊरैनतातीतेरसोंपनहीआकेपाय१७ पैफितहूनकौअप्रमरम ओनतऊमतिधी
रकबकुंचौऊतऊानही तनम्रस्तकीधीर८० सूरवीरकीसंपदा कायरपैनहिजाय सिंहचैडो
नोसयघबल स्यारनकबकुंरवायद२ ऊपतूकेसंगस्कुनटदल आपसमैंयहरीत बनम्रप्रीत
औसिंघते बनतेसियम्रप्रीतद२ आयद२कविऊनको सेवैराऊसमाऊ सिंघत्रपततब
लेयऊब्य पथचढैगाऊराऊल वीरपराक्रमनांकरै तासोंफरैनकोय बालकरूकेचित्रमें सिं
घरिलोनाहोय८४ वीरपराक्रमतेंकरै भुवमंडलको राऊ आरावरयातैंकरै वनअपा
नोमृगराऊ८५ औरावरअरिसाधियै बुधबलकीयेनपाय कालऊवनकोओकुसन परम
चकुंदहायद२ राऊाके बलजोकसब फिरैघिरैचिकुंहर औंवनमेंबूटे मरै बांधेहयके
चोर रूपपतापपैमुलकमें दुष्टनप्रगटे कोय प्रगटैतेऊदिनेसकौं तिहांसिमरनहैंहोय८८
यहसाचीसबही कहै राऊाकरैसोन्याव औंनोपरकेरवेलमें पासापरैसोदाव ८९ए काहि
ऊताही केसरै करैकुंसमयनिहार कबकुंनहारैरवेलऔंखेलै दावविचार९० सब
देखैपैआपनी औंबनदेखैकोय करैनऊेरोदीपमें तलैअंधेरोहोय९२संतसंकटसहिआ
तसुखीराखैरिषीसमीप आपऊरैतोऊहर को करैऊकेरोदीप९२ मारैरैकरिरखाकरै
एकहीऊलकेहोय औरूपानअरूकवचए ९३ओहतेहोय९४ अपनीअपनीठोरपर जा
गतसबकोदाव ऊलपरगाढानावपर थलगाढेपरनाव९५ मुनिमनसुमिरऊवाततें के
सैंराखैकोय ऊलप्रतिबिंबति वातवसथिरकुंचंचलहोय९५ ओहाऊरअवसोंनपर१
सोईसस्त्रप्रमोनकुंभहितैबलदेवओरहै ऊतनकेप्रांन९८ नीतिनपुंनराऊान को अकु ८

र्गतनोहिरूदाय करततपस्याकुंत्रकों ज्योमाखोरघुराय९९ बलैअनीतकरैतऊ बुरेकहैनकोय
बालहत्यांअपराधविनताहिनऊैसबलोय१०० लऊमिलएगुरुवेऊदपिवलैकदूलेनोहिगिरवऊ
मानेकपिनकेऊौंमकरालयमांहि१०१ जलेबुरेछोटेबडेरहैवहनपेआय मकरमऊरकरगि
रऊनल दधिमथिसकलबसाय१०२ बडेभारलेनिरवहै तऊतनखेदविचार सेषधराधरधरधरै
अवलोदेतनहारऽ भबुरीकरौपरऊैवकै नलीकरैहीधरि ऊैसेंदूधिवांछोतऊ कपिहलदयो
गताहिऽ उत्तमऊनसोंमिलनहीं गुनसोगुनहोय घनसंगखारोउदधिको बरसैमीठोतोय१०३
कारूसोनाहिनमिटै आपरापतिकेफंद वसेंईसकेसीसतऊ नयोनपूरनचंद१०४ कोनहरिन
करिसकै विधकेबलटेअंक उदधीपीतातऊसंदकों मेटिनसकैकोक लेक१०५ गहीयेदृढ वंऊ
नकी ऊहांमिटैदुषदंद१०६ समर्थसरनमेंनाकको कबुकरिसकैकोनइंदद्र बलबलधर्म-अधर्म
करि अरिसाधीयैअप्रीत मारघमेंअरऊनकिमन करहाकरीयुधरीतनु गाहकसबैसपु
तके सारैकाऊसपूत सबकेदेकनहोतहै ऊैसेंबनकोंसूतद१०७ आपकष्टसहूंहरको सोरऊक
रतसपूत चरखदीपैंडिनचरषखंचि ऊगदेकनऊोकतए करतकरतऊभ्यासकों ऊफमति
होयस्कुऊोनरसरीआवत ऊातते सितपरपरतनिसांन१० स्करवई खायऊखदीकुं ये खल
सोजरीयेकाहि ऊोगुरदीनैकूमरे कोंविषदीऊैताहि११ चूकैकूंतेऊानीये बुधमूरषमनमांहि
ऊलकैनऊेनीरघऊ हरनऊलकेनांहि१२ मदऊसंतो षसाधकों खलदुरवदनप्रवीन मबुवा
मारतऊ जबमत कहाविगारतमीनरऊ स्कुथिरस्कुमांनतताहियै ओजोंहोयनहर पिवजोपो
वेनताईय देखि भरनकोबोर१४ फिरपाबंपिछताइये सोनकरैमतिरूध वदनऊोनहियऊ
रतहै पवितताताऊ१५ कोस्करवकोदुरवहेतहै हेतकरमऊकऊोर १६ऊैसेस्करऊआपही

धर्म्म पवन कें जोर २६ सब रूख दें संतोष में धरीये मन संतोष कन डर बल होत है २७ पय पवन के
पोष २८ पाय पर रूपि रूख नसें बहु सिन करीये वात नामत रूप कीं चोंच पे जीवन हरि लें जात २९ म
बल नमूल सरीर को सब लतें ऊ ऊत होय काय रत लघु पुष्प गऊ ऊ ष्ट सौं ३० कुस के चम्मि होय ए३ काय
२ नर कों देखि नर मुख की को २२ साय रंग पतंग डो धूप पे फट कि चट कि ए३ जाय २० होष धरे गु
नकों पिसन यह रंग न न विसार ३५ कुन्न नयतें वसन कों देत कलक न तार २२ न ली करत जा गो वि लें ब
विलेबन बुरे विचार भवन बन ना वत है न लगे ढाह त लगत न वार २२ सोइ आपनो आपनो रहै निरंत
र साथ होत परायो आपनो सस्त्र पराये हाथ २४ विन सत वार न लागही ओछे नर की प्रीति अंबर फें
बर्त्त के ओंबा कू की नीति २५ करियें वात न तन तन पर स षल दिग ऊइयें नांहि कहु कनीवत रिहु
नहीं मुख कर बो कें नांहि २५ निपट अन मिलती वात को कैसें कर रहे कोय वसन ती ल के माट में
कब हीं जा लन होय २६ देखि विकों तो मांगीये मांगें मिलें ऊ होय सुनी घर भीतर कांघरी मांगे लहें
न कोय २७ समझें अन समझें कछु कहीयें मीठी वात बालके मुनि मुन बचन जैसें सबन सरू
न २८ झूठ ऊ सोंच लीये सांच बराबर होय ओ अंगुरी सें भीति पर चंद्र बतावत कोय २९ कहें
मूंछ की वात कों करीयें ओछि न होय सोइ दिवाये नरकों परे अगनि मे कोय ३० सुबुधि वीच
परि कुनकों हरत कलह रस पूर करत दे हली दीपको घर आंगन तम डर ३१ अधिक डु खीज
वि आपतें सीखें डु ख विसराय धरम सुबन बन डु ख हरे मुनि न ल विपति बताय ३२ होत बुरे कु
तें न लो का कुसमें न काम अधिक मास में जो मिलो पांऊ वफिरवन वास ३३ एक अनीति करें लहे
संगी डु ख सो नांहि भीम की चक को रयो मारि चिता के मांहि ३४ वहे विपति हू सें कर न लें विरा
नें का म कियें विराट पति की वि जै अरु जुन कर संग्राम ३५ बने बने ही कां म करि आपसि हावत ए

नांहि क्रय ऊ सन्तर कों रियो पथ विराट के मांहि ३६ बने वचन पल दें नहीं कहीं निरवाहे श्री
२ कीयो बसीषन लें कपति पाय वि क्रय रघुवीर ३७ बुरी करे सोइ बुरे नांहि बुरे की नुर वात क
रैसो वानीया चोरी करे सो चोर ३८ कूव वसें ऊ पुरुष कें ताही की अप्रतीति चोर ऊ वारी सों
न्हे याते करे न प्रीत ३९ ऊ ल स्रू प तऊ न ने परे ल रि स्रू न ल ज्जि न गात होन हार विनवा न के
होत चीकने पात ४० ल रवति ऊ जन मीन दरमें देखि कहे सब कोय रोह रहीं करीहे तहे जैं
सीसंपति होय ४१ नियम त..... ऊ जन मीन दरमें ऊ ल कौलें तऊ न्हावे उ छल त सिंहन को गरज न
होत विपति घन राव ४२ विना सीखाये जेत है ऊि ऊ ल ऊैसी रीति ऊ न मत सोहन कौ न नेय गा
ऊ पर चढ़त अनीत ४३ सत्य वचन मुख ओ कहे ता की याहि सराह गाहक आवत हरितें रूनि
ऊ स बड़ी सोह ४४ पेम मगन ऊ ग्रा सों न ऊ ऊ रख ता के संग वसत कमल ऊ जि वास ना सि
सकमल न खेत में गा ४५ चरल पद ऊ नुसर पर बो कर ऊ तघर रे घेरि तें फिर नि ऊ रन आवहीं
जैसें फसल बटे २४६ बुधि विना विद्या कहे कहा सिखावे कोय प्रथम गांठ मरी ना हि तो सीमक
होंते हो य ४७ बोइ त नव कियां कि ऊ ये का रि ऊ ओ सरणाय मोन गहे वगदाव पर मछली जेत
उगाइ ४८ न ऊ त नीरंतर सेत ऊ न ना हरि पद चित लगाय जैसें नट द्रिढ दृष्ट करि भरत वर त प
रपाय ४९ कहा रस में कहा रोस में अरसो डि न पति याय जैसें सीतल त पत ऊ ल मारत आगा
नु काय ५० चपचप करती नारहे तरल वार की धार चल दल दल जैसें चपल चलत रहत नीस
दीह ५१ जैसो प्रकृते सो अनुग होय स्वभाव न मंद बांस न करे का ज ष्टिका बड़े बड़ी अ समां ना
५२ बड़े न अंसो को न हे होन मीन को पाय पाय धरा बावन न ए सीस मरग भरपाय ५३ अपनी की
रत को न रूकति होय न कों न रबु र्सो ज नाग मता के रूक नत दी विष डोंद त है व्याल ५४ विद्या धार्

कीयेविना विसरत यहजनमांन विगरजात बिनखबरतें चोजीकोसोपांन पप सबैधका
वैनिबलकों सबलपुरातनयाउ मारेजारिवरायदे अनिलअनलजलका उपद्र अंतरअंगु
रियारकौ साचफूलमेंहोय सबमानेदेखवीकरै रूनीनमानेकोयपु नीवहैसोईकी जो
ईपनअपनेंजनमान कैसेहोतगरीबपें राजाकोसोदोन पढजोरनपकुचैतिबलकों जोपेंस
बलसहाय नोफुरकीपानूसकों दीपनवातबुझाय पए कारनविनकारजनहीं निहचेमां
नवचन करैरसोइजोमिलै आगिजलनजलअन दूपरीविपतीतें बुटीयै करीयेजोर
उपाय कैसैनिकसैजतनविन परिजोरमेंनाव घर सुखदुखवदी बैकोंदई हैआबुरदहवा
उअहिकरफनसापसो मखिनिकस्पोअहिवाट द्र त्रैरकहीतें होतहै कारजसेंधनिहा
न चढैधनकरूंनाचले विनाचलायेबांन घर होयनलेकैसत बुरो बुरोनलेकैहोय ही
पककेका उरप्रगट कमलकीचतैहोय घ्रमाखकैकीहारहै निबलजोंनिरूंतास बिपुरख
होयहरिजौंकियों काजजवनकोनस द्रहोयनलेवाकरनतै नलेधनीकेकांम जौअंगा
दहनुमानतै सीतापाईरोंमद्र सबकोंसमें विनासकै उपजतमतिविपरीत रकपतिमारो
लंकपति जोहरलेगयोसीतद्र जोधनयंतमोरेहकछु देरकुहाधनहीन कहानिचोरैंनग
नजन न्हातसरोवरकीनद्र सुखसजनकेमीलनकों दुरजनमिलेतजाय जंतैकुषमि
वासकौं जबमुखनीबचवाय घए होतचाहित नहोतहै प्रेमसुखजनसंग पासदीयेचि
नपसनपर चटतगहरोरंगद्र जाहिमिलेंसुखहोतहै ताबिबुरैदुखहोय सुरनरेफूलेक
मज तांबिनमजुचैसोयश्र फुरेहीकरियैजतन तोकारजविगरैनांहि कपटधनुषधनसे
तपर देखिमरघफिरिजोहिश्र प्रेमनेमकेपंथको है कबुजेसुतरूप पियहियलागेज १७

गतजौं सरदजोन्हसीधएउ३ दुखदाईसोदेतदुख सुखदाईसंगजात घटजलनीजेंचीर
सौं जागत वैपियूरात उ४ समेंमहामकविनमिलै दुखदाईदुखदेय निजेंचीरविनघटसजिल
लूलगितपतकरेय उ५ कारजसोईसुखरिहै जोकरियेमनलाय अतिघरमेंवरमेंविनाजोक
रंसनजुमनलाय उद्द सजनतानमिलैकीयै जतनकरोकिनकोय जोपेंफारिनिहारीयै जोच
नवमेंनहोय उश विनवनावबातिकबनें तासीकेजुवषांन दगलैपरसौंमरगजा मीठेपरतन
श्रांन उ८ तनबनायसुपजायकचंतनमांननिरोंन जौंपेंचामतपौषिकैरखांरतपतजलपांनपुंए
तनरेतनतनरेनकों मनमिलयोतजिलाज जोअकुसकोकुंदेतहै देंगिरसेंगजराज उ०।
ढोटेमनकोआयहै कैसैमोटीबात बानीकैमुंहमैंदीयो ज्योपेंवोनसमात उ१ होतनिबाहन
आपनो जानैफिरैसमाउ चूहाविलतसमातहै पूंछलगावैबाज उ२ रहैप्रजोधनजतनसों।
किहिवाकीतरवार जोफलकोजनलेसकै जरोंकटीजीवार उ३ जासोपरचयहोयसोपा
वैतिहिनमांन रूपीएकोखोटोरवरो कैसेंकहैअजांन उ४ विनाप्रयोजनचूलहू पटीयें
नाहीथाट चलीयैजोहीगांम कों वाहीपूछीयेवाट उ५ अपहिकहावखनीयें नजीवुरीकेजो
ग बुझेयकीबातको कढेवृद्धलोग उद्द अंगतिनिआखरतें जोजानेयजोयेह तासोंबातनदुरिसकै जोंदा
ईपेंपेट उ७ जोनैसोचूकैकहा आदिअंतविरतंत घरजनमेंपसकैकहा देखतहैकोकुंदंत
उ८ कस्तोकबुकरवोकबु द्रअगकीविधिहोय देखनकेअकरबांनकें नरपुरद्रद्रहोयउए
आपकहैनाहिनकरै ताकोदेयहदेत आपनजावैसासरै गैरनकोसिखदेतए० जोक
रियेसोकीजीयें पहिलेकरिनिश्चय पांनीपीघरबूझिवो नोहिनजनोविचार ए१ बकैकह
नहैवांश्रीयेपांनीपहिलीपारि पीवैकारजकीजीयें पहिलेजतनविचारि ए२ अरिकुंबूझेमे

वकौ कहिए सोचक्र नाय औ जीषमपंकवन्नको दीनो मरन बताय ए३ कहिये ऊसौं जोहिए ना-
लीदूरी रूऊमाय चोरकरे चोरी तऊ सांचकरै घरि-आय ए४ संपति बीते विलसबो सरबको
चाहिं कोय संरवनरवारे फूलफऊ कहि धोकेमैं होय ए५ रसनमुरवपगसूरको वचनक है जै
सेत निकमतपी वैहोतहै औगयंदके दंत ए६ आदबसोंऊहिं बिनकहित जैसऊनचितमो
हि चित्रमहावतऊरिएपर सोंचढिनुतरै नोहि ए७ विनबूझैं हीकरतहै सऊनहितकैबैना-
सलेबुरेकोकरतहै औतमचरगतिरैन ए८ वीतरागए विदेसरू सऊनविनुरेनोहि दूरिन
येऔकरकीकरतसतनकेमांहि ए९ वसियैतहांविचारिकैं ऊरांऊष्ठगतिनोहि हो
तन कबकूंनवरफर औंचपकबनमांहि १० होनदेतधनहीनता होतनथापिवखानऊ
बलतकवखानि ये ऊरतफरतऊबदोन११ टीककीएविनतंरकी बातसोचमतथाय होतमें
घरीरैनमैं यरिऊेवरीसाप १२ मूऊविनाफीकोलगै अधिकफूसमुरवजोंन फूसांचे कैबोजीये
औंआटेमैलोंन १३ गोरेरंगकेकौंकिये कुटिलसरलगतिआय बाहिरदे दो घलतहै बांईसी
धेसापथ एकवऊरहैसऊनरंजन तऊतनआपनोरंग १४ मतिविषदरविषकरसरूप सहारहतइक
संगपजीबुरीजोआदरै कोनसकेनिरवार सीतविनजपावनकरन चलतनीचगतिवाहि-
दूरोकचाहैमिलनकों तोमिलायनहिधार कबकूंनाहिनबाऊिहै एकहाथतेंतार १५ हियेऊष्ट
केवदनतेंमधरननिकसतवात जैसींकऊवीवेलिकें कोमीठेफलरवातऊं रहे वचनमिला
पमें करतहोतरसभंग वीनवऊतऊोतारकें चूहैरहतनरंग ए आपअकरिऊआपनों कर
तऊबुधिकैंसाथ पायकुहारीजायकें फरसअपने हाथ १७ ताहीकेकरीयेऊतनरहीयेजि
हआधार जोबैठेऊाकारपर काटेसोईगमार १८ न्यायचलतविगरैकबू तीनकरैकूंअपसोस ११

धारपरतऊोराऊपथतोंनधरतकोरोस १९ प्रजेप्रजेहीकरतहै पैनकरतहै दोष फरदासकरैं ऊं
धकोऊपऊावतसंतोष २० सहासमूंनधधानहै बलप्रभनबनाव नागफरावतगरुऊको हर
गरहारप्रभाव २१ आपेविद्यानारदी सुविगरनदेतनिजाति पैसिचोरनसिखवनको करतधा-
नीकोंऊागि २२ नागपहीनकोंतोंमिले नलीवसूकको जोग हारवपकैमुखपाऊको होतकागकों
रोग २३ सबकोऊचालतनजो मित्रमित्रकीठंर ऊोंधकवीरविकोऊदोसमीकोनदोचकोर २४
प्रजेवंससंततनली कबकूंनीचनहोय ऊोंकंचनकीखानमें काचनऊपऊेकोय २५ फूरवी
रकेवंसमें फरवीरफूतहोय कोसीहनकेगरजमें रुईननऊपऊेकोय २६ करैनकबकूंसी
हसी दीनहीनकेकाऊ मूरखसहैपेघासकों नाहिनखैं मृगराऊ २७ मांनधनीनरनीचपै
आचैनांहिनऊाय कबकूंनमांगेस्वारथै बलिप्रूखोमृगराय २८ मंत्रीनरतैबऊैनको कबकूं
बुरोनहोय फूससागै नाकरिसकैतपतजरधिकोनोय २९ नीचसूऊसमसंगमिलो ऊंत
महीकैऊाय गंगासंगाऊलनिं हूऊगंगोदककैजाय ३० अधिकचतुरकीचातुरी होतचतुरा-
कैसंग नागनिरमऊकीमांऊते बढतऊोतिऊबिरंग ३१ परतियनीकैंदेखीयै कहाबरनैकोनै
नाहिं करकंकनकों आरसी कोदेखतहैवाहि ३२ मदऊसीऊपुनसऊूनके ऊरविबुधि
होतनऊंगरतनदीपकीलौंसिखवचुकैनवातप्रभंग ३३ रतिरसभुतैरसरागरस पायनचा
हतनर चपिनमधुपऊरविंदकों जेतईषरसनोर ३४ मोरमहातमरूरहत ऊोंजोगोंनन्हो
तकरुमहातिमरहिसकें ऊयेऊहीतऊद्योत ३५ कबुधिऊबुधिकीसेवको यहसरूपऊि
यथाथ पऊमेरोपतकमऊऊो वधिरकरतऊो ऊाप ३६ ए योमेवाराऊानकी हीनीकवनब
नाय ऊोंचुवनगाऊीबदन सिंघभोजनकऊाय ३७ पंडितमूरखधनताऊता सोऊितआप्रा-

COPY MEMORIAL

यपाय दैमनि क बकुमोलको तऊहेमऊ दितबबिलाय२१ ईकगुनतें सो भालहै इकओ
गुबऊ अवगेह मोहउरोऊनपीनता ओकटिकिसतासोह२२ सुकऊनसऊनकेदरसही।
पावतऊियसंतोष नहतकबुकेवबुऊों सोमदृष्टतें पोष२३ सिवसंपतिफलकरतहै सु
रिंदऊननकोहेत दरहिसूरे ऊछदितऊों कमलननकोंभ्रिमरेत२४ ऊचेपदकोंपाय लघु
होतउरतहीपात घनतेगिर रैपेगिरतऊलगिर हीतेदरजात२५ अपनीप्रभुताकों सबे
बोलतकूसवनाय वेश्पवरस घटावही ओगीवरसबढाय२६ अपनेलालचकेलोभे
डखरूआवेदाय कोनविभवैरवायगुरपहिरेवीरघरा य२७ धनीगुनीकोंन्यायही धन
अरपैधरहेत सुगुनपात्रकोंकूपलूंमिलतहीजीवनदेत२८ गुनसनेहऊतहोतहै ताही
कीछबिहोत गुनसनेहकीदीपकी जैसेंजोतिउदोत२९ सुनिमुखमीठीबातकों कोचाहत
कुबात चाखिदाखके स्वादकों कोंननिबोरीखात ४० रसकीकथासुनीनतिहि कूरक
थाकीवाह जिनरावैबोरवीनहीमिष्टनिबोरीताह ४१ मीत्रीतनबंधुही होतसंनतैहीन मरैऊरैरूउदक
मे तऊऊलचाहतमीन ४२ अतिउदारताबऊनकी कहोलैवरनेकोइ चातकऊचैतनकयन वरसद्व
रैमहितोय ४३ बकेऊंचाहैसोकुकरै करनमतोनरकारि हरिगिरतारेऊंजलधर करिसिजातेनारि ४४
ऊंसरवितेऊननको करवोनहिअनिरोम ऊंसेपानीवहिगयें मेतबंधुकिहिको
म ४५ उष्टसंगवसियेनहीं उष्टनुयऊतइहिंन्याय घसतवंसकी आगितें ऊरतसे
चैवनराय ४६ करैअनादरगुनिको ताहिसनाढबिजाय गऊकपोलसोंनामिटत ओंअलि
हेतउगाय ४७ कऊंकऊंगुनतेकहो उपऊतदोषसरीर मक्करीहोंनीबोलतें परतपीठकरीर ४८।
विनाकहेंकूमतपुरुष परकीपूरैआस कोंनकहतहैकूकों घरघरकरतऊआस ४९ नलेखुरे॥ १२

निवदेसबे मस्तपुरषकेसंग चंदपासऊलअगिनए वसतसंनुकेअंग ५० कबुकहिनीचनबेरि
ये नकुबनीचकोसंगा पाथरहारेकीचमे नबहरिविगारेअंग ५१ हीनऊतिनविरोधाय वहैहोतकुरव
होय रऊकूंनोकरमारीये चढैसीसपरिआय ५२ नोहिकरतनृपकरनते कारऊसिधबऊवोना
सुनिवनवसिवोसंगाम्रग कियअगस्तिदधिपांन ५३ बिनादीयेनमिलेकबू यहसमुऊोसब को
य हेतसमिरमेंपातऊ कूरऊनसपऊनवहोय ५४ ऊोसेवकाकारिऊकरै होतबऊेकोनांम पथरते
हतकूपिनीलते कहतते राणरामयथरहनीहचेनुरऊानीये ऊोनहारसोऊाय गऊकेनुकतक
बीवऊों गिरबीऊबिजाय ५६ दूरा कहानियेकहा होन होरसोहोय ऊरसींचेनाजेरकेंफ
लमेंप्रगटेतोय ५७ आयेआदरनांकरे पीछेजेतमनाय घरिआयेपूऊैनहीं बांईपूऊनजाय
५८ कऊंअनादरपाईकै गुनीनकरूंआदेस मुरराहैतोकरहिंगे सब कोंऊआदेसपए आप
नेअपनेसमयपर सबकोंआदरहोय नोऊनप्यारोसूरवमै तिसमेंप्यारोतोय ६० होयऊोहोय
हिसाबते सोरहिसाबनहोय अरवेवरनतेमनकोकन अरवेनाकतेकोय ६१ ऊिहिकरफरिक
रियेऊतन उपऊतसोयअमेट लगेंहूरवतेचोट ऊों हो तकनोमैंफेट ६२ मीठामीठीबतन
हि मीठीऊाकीचाहि अमलनामिसरीपरिहरै आफूरवातमसरहि ६३ बसीबकाईनीचकी रीनी
अपनेकोंम खरहूतैबोलतपथक करतविनायकनांम ६४ कसाभयोऊोनीचकों रेतबढा
ईकोय करतविनायकनांमकै खरनविनायकहोय ६५ ऊोनिबूऊकेकरतनर अपनोहि
तअहंत कूदी सांचीबातपर होनुमुखकलरिवेत ६६ चिरऊीवीतनरूतऊैं ऊाकोऊगऊसवा
स फूलगएआफूलकी रहतते तमेंवास ६७ बकूतनए किहिकोंमके भारनिवाहनएक मेष
धरैधरपेटनर मीऊकतरवीअनेक ६८ रधिरोतनहिंपापतें रधिधरतेधीर सुनोनदेखो

सिंघके मृगा कैसो परिवार ७७ रेखनकी पैंक बुनही मुखरलनलकी प्रीति मृगत्रिस्नामें होत
है औरुलकी परतीत ७२ कपरदरसेसुमिलसी अंतरअनमिलआंक कपटीनरकी प्रीतहै
बी रेकासीफोक ७२ निबलसबलकेपरमैतै सबलकौं अनखात हनतहिमाइतकीग धी अेरा
कीकौंजात ७३ दोषलगावतगुनिनकौं ज्याकोहृदयमलीन धरमीकौंदेखिकै हे षिमीनकौंबज
हीन ७४ कैहीगतिहैवकनकी कुस्समालतीजाय केसवकैसिरधरई है केवनमांकि विजाय
७५ सबविधकरीयेदुष्टसों रहीयेऊतनसमेत सिंधुसुधाकरसिरधर्यो विषविषधरकै हेताए
खायनरवरचे कंबधन चोरसबललेजाय यीबेडुंमकमखिका हाथघसेंपि ड्याय ७७ जगत
बंकनऊनतदपिमन विनसऊनअतिदीन समिताराजिसिहैतऊ रविचिननलिनमलिन ७८
कोऊकहतनआनीये औतिवंतसकनकोय हाथदीयोलेदेखीये औसीआगनहोय ७९॥
खलनिऊदोषनदेसही परकोंदोषहिलाग लखेनपगत रसबलखें परवतपरकीआग ८०॥ऊं
सोऊसोअधिकगुन तेसीतोरमिलाय अहिनरविषगलअनलचखि सिवससिसीसवसा
य ८१ भागहीनकोंदेवऊंत देतमुलेतबनेंन दीठिपरे ऊहोंवसततहीं चलेमुंदिकैनैन ८२ दि
नजलेविगरैनकबूरहोनीचीतेसोय आवेचोरीकरनकों चोरअंधेरोहाय ८३ दीनहीनकौंदीजी
ये मिटैदरदकीपीर हषभताकौदीजीये ज्याकोरोगासरीर ८४ सबसो आगैहोयके कबऊंनक
रीयेबात रूधरैकाऊससमानफलविगरे गारीघात ८५ आवतसमैविपतिकै मित्रसबुद्धैकाय
ऊंहतहीन वबबे धकोधनमानकोपाय ८६ उत्तमविद्याजीजीये ऊदपिनीचपेहोय पंखी आप
वनगेरमै कंचनतऊतनकोय ८७ वैरभावतिहींजलहूं मिजनकरीयेकोय मूंसेंहरविला
वेकै कबहूंप्रीतिनहोय ८८ निरचैकारनविपक्षिकी कीयेप्रीतिअरिसंग मृगकेरूखमृगरा १३

ऊसो होतकबऊंतनभंग ८९ ओघरिआवहिसबुद्धसऊनदेखरूखवाहि ओकाटतत
रूमूलतरू बांदकरतहैवाहि ९० दुष्टआवहियमुखमधरतासोंकरऊनप्रीति भीतरवि
षमयघटभरयो नांबुरयेयंहरीति ९१ दुष्टनबांधेदुष्टता वधीगोरऊंपाय ऊंसेंनऊतना
सामता विषत्रिवेकंवबसाय ९२ विनउद्यममसलतकीये कारऊसिधिनथाय रोगन
आवैनृषधीआनेखायतऊजाय ९३ नृपअनीतकेदोषतैचूकेमंत्रप्रयोग करैकुपथितापु
रुषकौं कौंनन कुपऊंरोग ९४ कहाकरैआगमनिगम औमूरखसमुझैंन दरपनकौं
दोषनकबु अंधवदनदेखैंनए ९५ दयादुष्टकेचित्तमें कबऊंनपऊतनोंहि हिंसाबोधीसिं
धयह क्योंआवैमनमांहिए ९६ प्रीतबुटैदूसऊनके मनकोहेतबुटैन कमलनालकोतोरी
यै ऊदपिसूतदुटैंन ९७ सऊनकेवियवचनते तनसंतापमिटा य ऊंसेंचंदननीरते
तापऊंतनकोजायए ९८ ताकोबुरोनताकीये ज्यासोऊगबोसाय बांहिफूलफलदेतत
रूकौंति हिकटिनकराय ९९ सऊनवचनदुरऊनवचन अंतरबऊतलखाय वेसबकोनी
कैलगे वेकाहूनरूहाय १००॥ धनअरूगेदकुंखिजकी दोकुएकरूजाय करमेंआवता
छिनकमें छिनमेंकरतेजाय १ प्रभुकौंचिंतासबनकी आपनकरीयैनांहि ऊनमअगाऊं
मरतदेदूधमातधनमांहि २ धनअरूजोवनकोगरब कबऊंकरियैनांहि॥ देषतहीमिट ज्याय
है ओसादरकीबांह ३ रूपतिचोरऊतअनिलतै धनकौंनयेउपऊात ऊंलपलजनमें मो स
कों रूखकेदरिखगखातध चकेबकेकौंविपतितै निरचैजेतजधारि ज्यौंहाथीकोकीचतें हा
थीजेतनिकारिपंऊहिऊंतौनमांनतिहि तेतोरिऊकमिलाय कनचौंरीकूकरदूकरी
मनमरहाथीखाय ६ बकगुन अमतेऊजपदतनकदोषतेपात मीठबचैगिरपरसजा

दारतहीं दरजात ७ छोटे अरि कौं साधीयै छोटे करउपचार मरेनमूंसासिंघतें मारे ताहिमंजा
२८ बमेबकैसोरिसकरै छोटैसोनरिसाय तरुकठोर तोरेपवन कोमलतनवधजाय एसे व
कसोई जानीये २९ विपतमेंसंग तन बायाडोंधूपमे २९ साथछकरंग ३० बुरीतऊजागत न
जो नजीवोरपरलीन तियनैननकी कोजगे काजरदैकैपिमलीन ३१ जोरावरकूंकीयो
विधिवसकरनईलाज दीपतमहिअंकुसगजहि जलनिधितरनोजिहाज ३२ दुष्टरहै जा
गेरपर ताकोकरैविगार आगलदीदीखयै जारिकरैतिरांजा ३३ विनातेजकैपुरुष
की अवसिअवगाहोय आगिबुझैजोराखकों आनबुवे सबकोय ३४ पायपरकृतिवसैकी
जायै करिबुधवचनविवेक लष्टपुष्टसोएकों यष्टमुष्टसोएक ३५ नेहकरततियनीचसों
धनकिरपनघरमांहि वरसेमेहपहारमे कैं कुसखरसांहि ३६ जहांरहतगुनवंतनर ता
कीसोभाहोत जहांधरैदीपकतहां निहचैकरैउद्योत ३७ खलीतजिपूरनपुरुष तिहिसब आ
दरदेत रीतैकवेसारीये अंचिलसोघटलेत ३८ सबआसानउपायते उरतफुरतफल
देत मथिअरुनीअरुआकडो आगअगट करलेत ३९ जाकीआपतिहोयसो मिलैआप
तैआय मेवाकोसहजारको किरकिरैगोरनजाय ४० मोहअबलसंसारमे सबकोउपजैं
आय पालेपोषेस्वगवचन देहैकहाक मैंय ४१ खलसकुचनरुचीनके जागहुरूसमजाय।
निगुनप्रकासैनि यकों रुगुनसोटोकतजाय ४२ उलासूरईकीउल्लता रीतिसकुच
कीदीत गरुवेदीसितेजातहै हरवैकौं देवीत ४३ जलेबुरेसोएकसी मुरुनकीपरतीति
गुंजासमतोलतकनक तुलापजाकीरीति ४४ जिहिदिसिनयतिहिदिसिकबकुं नाजइ
येकरिचो जगजतिहिमगपगनांधरै जिहांसिघनकेखोज ४५ सिंघहोतकारजसबै जा

केजीयवीसवास पजतत्रैपनकोहथा नियक्रियपरै आस ४६ बकृतव्रयसंचयकरां।
चोरराजव्रयहोय कांसेनपरिवीजरी परतकहितसबकोय ४७ जांनिचूकि अजुगतिक
रै तासोकहावसाय जागतहीसोवतरहै तिहिंकौंसकैजगाय ४८ जहांतहांसकुचनांमि
लै गुनगरवेऊगमांहि जोतिनरैपांनीयनरै चतिगजमुकतानांहि ४९ विद्याविनयविराज
ही जदपिसरूपकुलीन जोंसोजापावैनही केसूवासविहीन ५० एकहिमलैसपुततो सब
कुलजलोकहाय सरसिरुवासितविरषतो जौं वनसकलवसाय ५१ गुरुमुखवपदानकृ
हतहै पोथीअरथविचार सोसोजापावैनही जारगरनजुतना ५२ जाकै बुधबलहोतहै
ताहिनरिपुकोनास घनबुंदैकहाकरिसकै सिरपरछतताजास ५३ खिमाखड्गजीने
रहे खलकोकहावसाय अगनपरातृनघरहत खल आपहितैबुझजाय ५४ एकैफल वि
श्रामको सोनाबुटिकहांजाय ऊंसेंपरवाजिहाकको छहिनहितहोबसाय ५५ तोरअनेक
गुनीनकैं जहांआरहतहां ।जाय गजकपोलतैबुटतनमद कैतकिकमलवसाय ५६ जि
हिकैसोअपराधतिहि तैसोदंडवखांन थापककरियाचोरकों धनचोरहितिनआंनि ५७ नृ
वेनरकेपेटमे रहैनमोटीबात आधुसेरकेपातमे केमेसेरसमात ५८ चलीयेपैंकैसांचकैसो
ईसांचकरुहाय सांचोजरैन आगितै रुवोईजरिजाय ५९ गूढमंत्रजोलोरह करैजुमिलि
जनहोय अईबकनीबातजब जानिजातसबकोय ६० गूढमंत्रगरुवेविना कोजुराखसकै
न भातपत्रविनहेमकै वाघनीरिधरहैन ६१ अकुधनवीतेतनकधन संचेसकुचनकरैना।
मतनरौनरुपऊमरो कनकनकबकुंमरैन ६२ निरतभारसबतै जतरि धारहि पैंवहरा
त नीरनिवानहिपाइये औवीतेवरसात ६३ सीलकरमकुलरुतवतर पुरुषपरिखाजो

नि तामनवेदनकसतपन इनतेकनकपिलोन ४४ जापेऊसोहोयतिहि तेसोमिलसेआय गंवीबोकाचोर
कोसा दहिंसाहमिलाय ४५ कबहुंरिनविमिहोनयो तकफिरज दैमिषाद कहानयोकाहूस
मे अपोतनकवराह ४६ कबकुंप्रीतितजोरीये जोरतोरीयेनांहि जोतोरे जोरे बकुशि गांवपुरतगु
नमांहि ४७ अंतरतनकनराखीये जहांप्रीति अवहार उरसोउरजागेनही जहारहनहेहार
४८ निरखतपलकनपारीये सज्जनमुखकीनुर ७देअस्तलोएकरग निरखतचंदचकोर
४९ सेवकसाहिबकेचदे वदेकारबोऊ जितोगहराजलचढे तेतोवढे मराऊ५० उंबेनसके
चितमे जोमनपूरयोजाय जैसेसागरकोसलिल गागासिमेनसमाय५१ जेनहोयदृढचित के
तहांनरहेरसटेक जोकाचे घरमेंसलिल नहिठहरतछिनएक ५२ रसपोखेबेनहीरसि
करसिनपऊावतसंत विनवरसेंमरसिंकरे जैसेविटपवसंत५३ मनभावनकेमिलना
को सुखकोनाहिनवोर बोलउवैनचिनचिवै मोरसुनतघनघोर५४ विरहीजनके
चित्तमें नहीरहतबुधबोध थिरचरकोबुझतफिरै राघवसीतासोध ५५
जहांसज्जनते होंप्रीतरूं प्रीततहांसुखवोर जहांदुहपतो वासहै जहांवासतिहो
नोर५६ जेप्रीतीपरवसपसो सोउखलहैअपार जूघविबोहोगऊसहै बंधनअंकुस
मार५७ गुनीहोयअमकष्टकर लहैराऊदरबार वेधबंधमुकतासहै तवउरहारविहार
५८ मनभ्रमतनतनचेनऊरा खेमाचारविचार संगहगीमृगसुखचुवै वनवसिचुनआ
हार५९ रहनहारआयनवसत तदपिऊतनविहार देखोसबकेदखीये घरघरचार
किसार६० हैपासेकेरावपर कहाऊीतकहाहार सारसवैनोचोककी वकपोनुवैनसा
रह्र सबकोंआकुलकरतहै एकऊवरकीआग मरेकि जकलाऊजधिमें ऊजऊ २५

लचरकरत्यागह२७ दरसनके कारने प्रानीकरतईलाऊ वाचेनाचैसिनिरै रघ्घेका
ऊआकाजह२९ हनरुदरदीनकों होतनतनसंताप तोऊनऊनकोंकोसहत तरऊन
गरऊनतापह्य उदरधरननरपैअलों राखउदरतेहीन कबकुंनाहिनहोतहै ऊनऊन
कोआधीनह५ करिनुदरईसरननय हरआरगंधीदार यौंनहोयतोकोंरहै अबलौंत
नयऊमारह६ भरतपटनरनरनके भरतनकरतनुपाय धरतवरतपरपायआरु वरत
परतलपठायह७ एकएककोंमत्रुहै ओजातैबलवंत ऊलहिआनलआनलहिपवन
सरपहिगकुऊनखंतह८ एकएकहिदेखीये अधिकअधिकबलवंत सेसधराधरा
गरधरै गिरधरैहरिआपुवैंतह९ होतनकबूत्रनुविनदीये दिये देतयवात जैतेउल
धनऊहिमुनि नृपतिकीयोजिखपात७० यहासकतिहीदेसकैं जोकुबजाकेपास
चावतकरचावरदीये श्रीपतिधनआवास७१ जोरावरकोहोतहै सबकेसिरपरराह
हरिरुकमनिहरिलेगए देखतरहेसिपाह७२ अगमपंथहैंपै प्रभो तहांवकुगयत
नांहि मोपिनकैपावैफिरै त्रिभुवनपतिवनमांहि ७३ वचनरचनकापुरुषकैंहैनबि
न वहराय जोकरपदकखकबपके निकसिनिकसिदुरजाय७४ कबकुंऊतीबा
नको जैकरिहैंपषपात कहेसंगकहेपरत फिरपावैंपवितात७५ कुलकपूतकिंहि
कोमकों जिहिकसोभा नांहि जोंबकरीके कंवघन स्थनऊलतिनमांहि७६ विमरन
हारीवसकों कहोसधारैकौन कारैपथुनायके मिसरीजोरे लोंन७७ काकूकों
रसीयैनहीं रसीकजहकीमूल हांसीहीतैदुरए कैरवपंकवनिरमूल७८ डरऊनग
हतनसऊनता ऊतनकरो किनकोय जोपैजोकोरोपीये कबरूआजिनहोय७९ ऊगपर

नीत बटाईये रहीयेसांचेहोय कहेनरकीसांचिये साखिनमानेकोय ६०॥ वहैवहाईकेऊतना॰
वहैबेरुदकीजाऊ मणचंदर कऊचीरतैं नृपकंन्याकेकाऊ ६१ हैऊगतिपैऊगतिहै करियेवहै
भ्रमंत बोलनअसुरुऊननसौं हारेहोतबखान ६२ जामैंहितसोकीजीये कोकुकहोरुजा
र बलबलसाधिविऊयकरी पारथनारथवार ६३ सुनीयेसबहीकीकही करीयेसहितवि
चार सरवलोकराजीरहै सोनकहूंउपचार ६४ आपतिकेदिननहोतहै आपतिवारंवार जा
नहोत आपारमें आपेत्रणअधिकार ६५ अप्राप्तिकेदिननमें खरचलेतअविचार घरआ
वतहैपाऊने विणऊनजानलिगार ६६ दीनधनीआधीनकै सीसवावतकाहि मानलेंगा
कीनुप्रियर पेट देखावतताहि ६७ सुखैसुखैबदरकों नरेहोतसंतुष्ट पेमनलाखक
रोरके पाएतेष्टनपुष्ट ६८ एकएककेकोमकों रुचिराखेऊगरीस ऊसेंनरीयेपेटकों सब
कोनिवरेसीसटएए मनीकीयेकैरेबुरी देखोविधिविपरीत ६९ गतिकरीद्विऊसमदगनि
मारऊनकरीअनीतएए कहैवचनपलटैनही ऊसतपुरूषसधीर कहतसबेहरचंद
नृप भस्मोनीचघरनीर ७१ मतिफिरैऊगमविपत्तमें रावरंकइकरीत हेमहिरनपाऊगए
रामगमाईसीतएए ऊंनहारसोऊगयअरु रोनलगरकै आय रावनतेलंकागई वसेंव
भीषनपायएए अनेउयमरूपाइये ओपूरवकृतहोय ऊखकोंउयमकोकरत पावत
हेनरसोयएध प्यारीअनप्यारीलगो समेपायसबबात ७२ धूपसहावेसीतमें सोग्रीषमन
कहीतएए ऊनमतहीपावतनही मनीबुरीकोउबात ७३ कृतकृतपाईये त्योंत्योंसम
कृतऊतएए नएगपोनअगपोननहि है अगपोननहिगपोन मानुउ.योतोतमनही हेतमउ
योनमोंनएए सतपुरुषनतेउतरिके होतनीचअधिकार यहसबटकृतविसमेंअसत ७४

तमकोऊगतप्रचारएए हकुवीगकुवेकैहीये वेहरतनोंहिवात ७५ बेबीऊलमेंदाबीये औ उप
रहीऊात एए पावतबकृतत लासतैं करतेहूटीवात आंधीमेंन्हटीगुही कोऊांनोंकितऊात
ऊ०० पियकेविछुरेविरहवसि मननकहोंवहरात धरनगिरतविचलीफिरत पस्योवा
धूरेपात१ होतअधिकगुनविबलपै उपऊतवैरनिरीत मृगमदर्मचमरीचम २ लेतऊ
ष्टहनिप्रानहरआपतिरैतमैं आवरकावनावऊोचाव ७६ बूझैबोरैनरकों जौंपावरकानावश॥
ऊवारवेलैहोतहै सुखसंपतिकोनास राऊकाऊनलतैं बुझो पंकुवकीवनवासध धनु
नऊोवनरूपमदर्ड्रैनएकोसंच ओंहोसाखासीकहूं रोकेरहे तनरंच५ सरसतिकेनै
नारकी बहीअपूरवबात ओंखरचैत्योंत्योंबढै बिनखरचैघटऊात ७ यहअनरीती
बातपर कोंनरेखिमनखात नकटीचुचीईकनयन पांनखातमुसकात ७ देखादेखीक
रतसब नाहिनतत्वविचार याकोयहउनमांनहै मेमचालसंसार ८ काऊविगारतनर
कौ एकनिकाऊसुधार कियमंत्रनिमिलिराऊनृप सुखहिंदयोनिकारिए काऊविगा
रतआपनो एकनरकेकाऊ वजहिनिदारतनेनको होनिसहीकविराऊ९ एकआपनो
नरकों साजैकाऊसतोज अगंदअपनेरोमकां कीनोसभासुबोल११ एकविगारतआ
पनो नरपरायोकाऊ रावनकोअसआपनों कीयइंद्रऊीतअकाऊ१२ देखतकोसुंदर
लगो उनमैंकपटविखाद इंद्रायनकेफलनमें तीतरकटुकसवाद १३ वीरहपीरआऊ
लसमें आयोप्रितमगेह ऊसेंआवतसापतैं आगलागीपरमेह १४ खरचनबातनऊात
धनउसरकीयेअनेक ऊातपुन्यपूरबनयें अरुउपऊैअविवेक १५ चलतिपेंहय पीलि
को मकदपारुकुंजाइ ऊोनचलतोगरुउरू पैंपरूंचलैनपाइ १६ एकएकअरबरपटो

MEMORIAL

ऊनेयंघविचार पेंरुपेंहरूचलतरुग पक्रचैकोसहकार२७ भलेबुरेरूंसोकरत उपगारीउ
पगार तरवरछायाकरतहै ऊंचनीच नविचार२८ सज्जन करतरूपगारकौं वितमाफक
जगमांहि गरहेगहरी छांहकरै विरलेविरलीछांह२९ बिनदेखैंडानेपरे देखेछिहांनि
सांन दीपधरै धनलाखपर कोरधऊफहरांन३० भलेवंसकेपुरुषसौं निकरैबकधनपा
य नवैधनुषसदवंसको छिहुंकुंको २दिखाय३१ एकएकसोलगिरहे अनोरकसंबं
ध चोजी होवनऔरचो उगत ऊंजीरावंध३२ नेगीहूरनहोयहै यहऊंनीतहकीक मित्र
तनज्यौंकारूकीये ओहाथनकीजीह३३ चिदानंदघटमैंवसैं रूफतकरुनिवास ओम
गमदमृग नाभिमैं ढूंढैफिरवनवास३४ सबकाहूकीकहतहै भलीबुरीसंसार डरयो
धनकीदुष्टता विक्रमकोनपगार३५ कैसमसौं कैअधिकसौंजरीयेकरायेवाद हारेजी
तेहोतहै दोऊंभातिसवाद३६ निबलऊंनिकीऊैनही कबफूवैरवे वाद ऊीतैकबूसोआ
नही हारैनिंदावाद३७ सऊनसौंरसपोखीयै त्यौं त्यौंबढत फूलास ऊैतोपुरहैवस्तमैं ते
तोअधीकमिठास३८ कहियेसमाफहावतौ मुखतेंवचनप्रकास विनसमुझैसिसपाल
कौं वचनभयोविनास३९ ऊासोंपोफूंचनआइयै नासौंबहसिनबांनि गरुप्रतिष्टाफक
मकी फिरनव मे पुरओनि४० ऊोतिसफहियेवसै सबसरीरमैंऊोति दीपकधरी
यै ताकमै सबघरआनाहोत४१ वैसौसमानरुचि होतहै रुचिसमानतनमोद बालक
खेलफरूवई यौवनविषैविनोद४२ संगसमानहि सरउमग अपनीअपनी बांनि छोटे बडो।
टीगतिकही मोटेमोटी वांनि४३ भलेबुरेदोउरहोचि रंऊीवसंसार ऊिनतैंगुन अरू।
दोषकौं ऊानापरतविचार४४ सरसनिरसनरहोतहै सप्रेपायसबकोय दिनमेंपरम २७

बांकेनरमैंहोतहैं बैरनीकसबजोय नमनमतीमाथेरुं धूसोचेरहिनकोय ६२९

प्रकासरवि चंदमंदुतिहोय२५करीयेऊहांपैसारतहां ऊीऊांनीयनिसार चकचूहाअनिम
षुकौ फंन्योफ्रवोसंसार२६ अधिकअधिकबलफोरकै कंसहन्योचक्रराऊ चढतै चढतै।
मोलऊौं दरसैबसनबऊाऊ२७ पुरुषवचनतेरोषहित कोमलवचनसमाऊ रऊकपछासी
कूवरी रारवजैंइ ब्रऊराऊ२८ फरिहफरनचलैचले कायरजगिरनघात देखलफिरैनपव
नवै जैसैंधऊपैहरातर्ण२९ मित्रमित्रकेकांमकौ भावदेतकरिहेत जैसैंचंदचकासकरि रवि
मैंफलवै जेतधण तनधनरूरैनाऊकै ऊतनकरतऊधीर टूकटूकफैगिरतपै नाहिफेरतमुहै
वीर४१ भलेबुरेगुरुऊनवचन लोपतकबफूंनधीर राऊकाऊकौंछांहिकै वसैंविपतरघुवीरधर
विपतपरैहूदेतहै सतपुरुषनकेकांम राऊबनाखतकौंदयो वैसीचरियारांम४२ लोफनकै
अपवादकौं फरकरीयैदितरैन रघुपतिसीतापरहरी फूनतरुफकैबैन४४ भलेभलेविं
धनारचैपैसदोषसबकीन कांमधेनुपफकतिमहै दधिखारोसमिखीन४५ ऊैसोकारन
होतहै तैसोकरीयैआप करसरधनप्रांनीहरत करमाजाहरीऊापध४६ इनकौंभनबऊनभ
दै कहाकीयोभगवांन फंदरसुखजोजिनसकै देनक बूधनवान४७ कहाकहौंविधिकीअवे
धभूलेपरमब्रवीन सुरखकोसंपतिदई पंडितसंपतिहीन४८ बहसंपतिकिहिकांमकी ऊिनका
फूपैऊाय नीविकप्रावैकछुकरि बिलसैंगरफ्रकोय४९ भरभूषनसबहूनछिपा विक्रमअरिधव
पैरऔंभूषनतियजाऊपैं जिऊफरतकवेर५० यौंनिवाहसबऊगतको रसारिसहेत महेत
एकएकपैलेतहैं एकएककोरेत५१ तिनफूतभकबूलते एकबोऊाचिकमाहि ऊोनतहै कबुधा
गहै पवनबगतनताहि५२ नृपपुरुफकचितियसेवियै मधुमखबऊगमाहि हैवि नासऊतिनिकटते
ऊररहैफलनाहि५३ रेखतहैऊगऊातहै तकमतातौभेजऊोनतहैंयऊातको देखतनहूंजी

खेलपथ मलेबुरेईतेमरे सरबोचाहेसोय जानतहे पैदुष्टके गुनकहे नकोय५५ तैसेंजानतनहीं
कौं जोनर कैसोहोय बुरेबुरे सबकोंकहे भलोभलेसबकोय५६ गुनतेंगुनहोतहे निरवधि
तिनहिअनेक बढतजातजौंजौंकला त्योंत्योंससिसकलंक५७ऊनवचावेकष्टतेरहैनिरं
तरसाथ नैनसहाईजोंपलक देखसहाईहाथ५८ निसदिनबटकतनकितन परेहुआखि
नमाँहि तिनमेंसऊनराखियेसोलिनबटकतनाँहि५९ धनीहोतनिरधनकबऊ निरधनतेधन
वान बडोहोतनिसप्रीतरिउ त्योंगरबमदीनमांन६० सबहीऊलमेंहोतहे एकएकसिरदार
गऊऐरापतिरूरूरिंदतरवरमेंमदार६१ ऊहांसनेहीतहांरहतभ्रमतभ्रमतमनआय फि
रतकतोरीमंत्रकी चोरीपरतरुराय६२ प्रानपियारेकेदरसहियतेबढतऊलास फैलतजोंव
यारके ज्योंफूलनतेवास६३ सुनतश्रवनपियकेवचन हियविगसेहितपागि ज्योंकदंब वर
सातमें फूलतलूदनलागि६४ ज्यौंज्यौंबूटेअयानपन त्योंत्योंप्रेमप्रकास ऊसेंकैरीआबकी प
कस्तेपकेमिवास६५ नीतिअनीतवकैसहे रिसनरहेतनगारि नृगुलरहीनीलातकी कीनीहरि
मनुसार६६ चोराचोरप्रीतिकें कीनैं बढतऊलास अतिरवाये ज्यऊरुचि थो रीवरुमिवा
स६७ रहैनकबकैदोयखल एकसदनकेमांहि एकप्रानमें होयरवग ऊसेंसवैनाँहि६८।
परधनलेतविनाथकै इकधनदेतरुसंत ससिकरततपतकारतऊ गहि रेकरतवसंत६९ए
जोनपरतकिंहिबातमें तिहिमनुहारिनगारि ऊसेंखेलिनखेलरे ताकैऊलिनहारि७०।।
हैतलगांगपुरुष बातविचार विचार मथनहारतऊबासकों मांखनलेतनिकार७१मातपिताकें
पऊकें पुरषहिप्रगटप्रभावऊपरदगनमेंदीखईं सपर प्रवीरप्रभाव७२ गुरुवचओगिअ ओगिऊं
क रायेंभ्रमविसरा य रापसहतेऊमदगनकी आग्यासोरप्रमाय७३ पिताभगतिसुतहोतहैंपित २८

केचलनप्रभाय रांमराऊप्रखबोहिकें वनवासीजयेआय७४ श्रीरामतिऊवतीनकी कहे
विवेकप्रलाय दसरघरांनीकेवचन बनपठएरघुराय७५ पूऊनीकगुननेपुरुष वरसनपू
ऊिनहोय ऊगपतिलककियप्रभके ओंहिबऊेसबकोय७६ श्रवनकरीत्योंकीजीये मातपिता
कीसेव कांधेकाबरिसैफिरे पूऊैऊैसेंदेव७७ वेऊितीजघुताकरै तितीवकाईपाय कोमक
रैसबऊगतकें तातेत्रिभवनराय७८ ऊसमनकेकरदीजीये अवसरकोअधिकार ज्यौं ज्यौं
भ्रमलुटा यहै त्यौंत्योंऊमविसतार७९ ओलाय कडिहिठोरसों ता हीठोरमनोगि चंदेरी
पतिकोंवरे रुकमनिश्रीहरिजोप्रिय८० घनघेरेकोमिलनरुरव होतजरोसोनाँहि होयना
होयेचांदनी ऊसेंपावसमांहि८१ बऊेभलेसबलालते लऊविनलऊि केओग रांमलखनभ
लुधरविपन कहतपारधीलोग८२ चितविनहोयनकाऊसिधि ज्यासोंलागीबात गुर विनहो
यनचोपत्रत ऊलहविना बरात८३ अनुसोंबातउरीनतऊ करीयेअरऊरुखेन रुकमनि
आउरताजिरवी हरिकहाज्योंनतहेन८४ कविनकलारू आयहे करतकरतअभ्यास नर ज्यों
चालतचरतपर साधेबरसछमासप८५ जोउपऊैसोईकरै ऊिहिऊलओ अभ्यास बोटेभलहू
ऊउ ति रैपंखीनकैआकास८६ विद्याबेछमीपुरुषपै होतनहीदूकगाय नाहिनरुखदो
युग तिमेंपियपैएकहीजाय८७ गुनप्रगटेअगुनउरै ज्याकैकमलासाथ तियसारा तियपरि
हरा नऊरुप्रत्रिलोकी नाथ८८ मिलेदीयोपूरबऊबस नदीयोनमिलैसोय कोनस्यानें
धनकाज्यो किहिमयोंनदीयोखोय८९ ज्याकोंज्योंतिनुलाईये ताहीकोमनुहार परनेसोउगाई
यैं बचनरुधारिरुधारि९० निरसबातसोदूसरसऊहांहोतहितहेत गारीहीप्यारीलगे
ज्यौं ज्यौंसमधनदेत९१ ओतिहिकारऊमेंऊसल सोतिहिनेदप्रवीन नदिप्रवाहमेंगऊवरे

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

चवैजलटिलघुमानएए ओऊसेंतिहितेंसीयें करीयेरीतप्रकास काग्रकविनमेरेत्रमरमऽ
मरि विंशनिवासएए हिनलखिनतेऊंनायेए उरअपानीनीवास ऊधेकघापुरानसूनि विक
घासूनैकुलासएए उरउगहितधरमसों-असूनकरमकीहांति मनप्रसन्नरुचिअन्नसों ज्यों
ऊरटूटेऊनिएए ऊपत एकहरिनोमतै पातककोटविलाय एकहिकनिकाआगितै थास
गेऊऊरिढायएए ओसमरघसबबातमेंतिहनऊजियेतऊसेंक करेरोकतैरावहरि करेरा
वतैरंकएए गरबप्रहारीहरिसही यामेंनाहिसंदेह ऊरेनंकूकेलारवसों लारवलारवके
गेहएए कहाबमेंछोटेकहा ऊहोहितहांचितलोग हरिनोऊनकियेविदुरकें दुरयोधन
कोंत्यागएए पर ऊनसेंप्रनसोंकरै परहरिहरिसोप्रीति रूवेंसोमानेंदरषि अहोऊगत
विपरीत१०० अरअवधिविवेककी देखिकौंनअ नखायकागकनककेपींजरे हंसअ
नादरनाय१मूरिखकोंहितकेवचन संतनउपऊत दैकोप सापहिरूधपिलाईयें ओंके
वलविषऊए१ गुनगरुबोलघुताहै तिहिसनमानतधीरमंदतकृष्णारोलगै सीतलस्कर
जिसमीर२वकाठोरकोंलघुलहै आएआदरनाय मलयाचलकोंसोंपवन परसेंमंदरुक
हायधमहिमाऊतकोंदेतही लेतनतनसऊचाय लेतजातऊगनाथको नृपरूसीसचढा
यए धनपूरनधनवंतनपै विनदीनैनलहात ओवनवरसेंसघनऊल लियेपियोनहिऊत दूककविनमा
गैरूलहैमांगैएकलहैन घनऊलसरसरिताभरै चातकचुंचप्रहैन१बमेंनकीसंपतिसबै लघकविल
सेतअनंतदधिऊलघनघनऊलधरा धरऊलऊगविलसंतए ऊहिहिऊतोनिहचौतितो देतदृपक
चायसकरबीरकोंमिलै ऊसेसकरस्त्रोयए ऊियसंतोषविचारीयें होयऊंलिखोनसोबरव
लयुलकाचकथारसों मोनतरलोगरीझ एयघायोगसचमिलतहै ओविधलखोऊंकूरखलो